

ओ- अम्बे मैया- बोलो तो  
 काय खों हमसें रिसानी- ओ अम्बे  
 ओ- मेरी मैया- बोलो तो  
 काय खों हमसें रिसानी ओ- मेरी

लाल-गुगल और- केशर-चंदन ॥२॥  
 माथे पे-दे हों निशानी- मेरी मैयाजी.  
 बोलो तो----

लाल घंघरिया- सुन्दर लागे ॥२॥  
 दे हों चूनर तोहे- धानी- ओ मैयाजी  
 बोलो तो----

अगर-कपूर झिलमिल जले बाती ॥२॥  
 देखई से आत्मा रिसानी- मेरी मैयाजी  
 बोलो तो-----

मंगल थाल- कलश लयें ठाड़े ॥२॥  
 करियो दया कल्याणी- मेरी मैयाजी  
 बोलो तो-----

हार भी देहों - सिंगार भी दे हों ॥२॥  
 काहे बनी अंजानी - मेरी मैयाजी  
 बोलो तो -----

हैं नादान "श्रीबाबाश्री" तुम्हारे ॥२॥  
 रह जेहे - जग में कहानी - मेरी मैयाजी  
 बोलो तो -----